एमएसओ

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

प्रथम वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जुलाई 2019 एवं जनवरी 2020 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

मूल पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य

एमएसओ 001	:	समाजशास्त्रीय सिद्धांत और संकल्पनाएं
एमएसओ 002	:	शोध पद्धतियाँ और विधियाँ
एमएसओ 003	:	विकास का समाजशास्त्र
एमएसओ 004	:	भारत में समाजशास्त्र

समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) के सदंर्भ में कायर्क्रम दर्शिका में हमने बताया है कि समाजशास्त्र के प्रत्येक पाठयक्रम के लिए आपको एक ***अध्यापक*** जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं संसक्त ढंग से लिख सकते हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। अगर 10 अंक वाला लघु प्रश्न हो तो उसका उत्तर 250 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय–सूची के अनुसार भेज दें :

सत्रीय कार्य	जमा कराने की तारीख	किसे भेजें
जुलाई 2019 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	31 मार्च, 2020	संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक
जनवरी 2020 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	30 सितम्बर, 2020	

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा सत्रीय कार्यों को लौटाना होगा। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद अंक, विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजना ज़रूरी होता है।

सत्रीय कार्य करते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा :

1 **नियोजन :** सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढ़ें। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें और फ़िर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध करें।

2 **व्यवस्थापन :** पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें। प्रारंभिक और अंतिम भाग की ओर पर्याप्त ध्यान दें।

3 **प्रस्तुति :** अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के नज़रिए से पक्का उत्तर लिखें। उत्तर साफ–साफ लिखें और ज़रूरी बिदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में होना आवश्यक है।

शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
एम.ए.समाजशास्त्र
समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली–110068

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में कोर पाठ्यक्रम
एमएसओ-001 : समाजशास्त्रीय सिद्धांत एव संकल्पनाएं
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ-001
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ-001/सत्रीय कार्य/टीएमए/2019–20

कुल अंक : 100
अधिभारिता : 30%

खंड 1 और 2 से 100 अंकों के पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

भाग I

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

		अंक
1.	समाजशास्त्रीय विश्लेषण में संकल्पना एवं सिद्धांत की भूमिका पर प्रकाश डालिए।	20
2.	शक्ति (सत्ता) क्या है? शक्ति प्राप्ति के साधनों की चर्चा कीजिए।	20
3.	मार्क्सवादी और वेबरवादी विचारधारों के अंतर की जाँच कीजिए।	20
4.	सामाजिक संरचना की संकल्पना की चर्चा, एक मॉडल के रूप में कीजिए।	20
5.	उद्यमशीलता क्या है? उद्यमशीलता पर शूमपीटर के दृष्टिकोण का वर्णन कीजिए।	20

भाग II

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

6.	लोकतंत्र में सिविल समाज की भूमिकाओं और प्रकार्यों का वर्णन कीजिए।	20
7.	आधुनिकीकरण और आधुनिकता में अंतर स्पष्ट कीजिए।	20
8.	अस्मिता और अभिनिर्धारण के संबंध की जाँच कीजिए।	20
9.	जेंडर स्तरीकरण में जाति के मूलतत्वों की चर्चा कीजिए।	20
10.	नागरिकता क्या है? इसके विविध प्रकारों की चर्चा कीजिए।	20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एम.एस.ओ.–002 : शोध कार्यपद्धतियाँ एवं विधियाँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ–002
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ–002/सत्रीय कार्य/टीएमए/2019-20

अधिकतम अंक : 100
अधिभारिता : 30%

अंक

दोनों भागों के प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग I

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए।

1. 'समाजशास्त्र और सामाजिक नृविज्ञान में तुलनात्मक विधि के पथप्रदर्शक काफी हद तक उद्गम (evolution) के सिद्धांत से प्रभावित थे'। चर्चा कीजिए। 25

2. प्रत्यक्षवाद क्या है? गिड्डनस की प्रत्यक्षवाद की समीक्षा की चर्चा कीजिए। 25

3. सामाजिक विज्ञान शोध में नारीवादी विधि की प्रकृति एवं क्षेत्र विस्तार की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 25

4. प्रतिचयन क्या है? प्रायिकता प्रतिचयन की विधियों का वर्णन कीजिए। 25

5. शास्त्रार्थमीमांसा क्या है? अपना उत्तर हैन्स–जॉर्ज गैडेमर के योगदान को ध्यान में रखते हुए लिखिए। 25

भाग II

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषयवस्तु पर लगभग 3000 शब्दों में शोध रिपोर्ट लिखिए। मूल्यांकन के लिए इस शोध रिपोर्ट को अध्ययन केन्द्र पर जमा करवाएँ।

1. महिला सशक्तीकरण के साधनों के रूप में शिक्षा। 50

2. समकालीन भारतीय समाज में जाति की प्रासंगिकता। 50

3. सामाजिक संबंधों पर मोबाइल फोन के प्रभाव। 50

आप इस रिपोर्ट को साहित्य की समीक्षा या प्राथमिक स्रोतों से संग्रहित आंकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं।

साहित्य की समीक्षा के लिए आपको, अपनी पसंद के चयनित विषय पर हाल ही में प्रकाशित दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। समीक्षा लेखन, अध्ययन की अवस्थिति और इन अध्ययनों में प्रयुक्त कार्यपद्धति और इन अध्ययनों के मुख्य परिणामों को ध्यान में रखते हुए लिखें।

प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययनों को एकत्र करना होगा और चयनित विषयवस्तु पर रिपोर्ट, तुलनात्मक ढाँचें में लिखें। रिपोर्ट लेखन के दौरान अध्ययन के उद्देश्यों और सम्मुख आने वाली समस्याओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें और

- मुद्दें को वर्तमान/उपलब्ध साहित्य के दायरे में समस्या के रूप में अभिव्यक्त करें,
- अपने प्रेक्षणों, निष्कर्षों एवं परिणामों को संसक्त रूप से व्यक्त करें, और
- अंत में उचित संदर्भों का उल्लेख करें।

नोट : मूल्यांकन के लिए इस शोध रिपोर्ट को अध्ययन केन्द्र में जमा करवाएँ।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में कोर पाठ्यक्रम
एमएसओ-003 : विकास का समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ-003
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ-003/सत्रीय कार्य/टीएमए/2019–20

कुल अंक : 100
अधिभारिता : 30%

निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से *कम से कम* दो प्रश्नों के उत्तर अवष्य दीजिए।

अंक

भाग I

1. विकास के संबंध में ''अधोगामी'' दृष्टिकोण से आप क्या समझते हैं? इसकी मुख्य आलोचनाएँ क्या हैं? 20

2. चिरस्थायी विकास की व्युत्पत्ति क्या है और समय के साथ इसका विकास कैसे हुआ है? 20

3. जेंडर और विकास का संबंध क्या है? चर्चा कीजिए। 20

4. विकास पर आधारित गाँधीवादी परिप्रेक्ष्य का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

भाग II

5. समाज में सामाजिक ऊँच–नीच पर ध्यान केंद्रित करने में कल्याणकारी राज्य की भूमिका क्या है? 20

6. वैश्वीकरण से आप क्या समझते हैं? इसकी मुख्य विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 20

7. हरित शांति आँदोलन की प्रारंभता एवं वृद्धि पर नोट लिखिए। 20

8. सेवा अर्थव्यवस्था की वृद्धि में आईसीटी की भूमिका की चर्चा कीजिए। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में कोर पाठ्यक्रम
एमएसओ-004 : भारत में समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ-004
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ-004/सत्रीय कार्य/टीएमए/2019–20

कुल अंक : 100
अधिभारिता : 30%

निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से *कम से कम* दो पश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

अंक

भाग I

1. भारतीय समाजशास्त्र की ऐतिहासिक जड़ों का वर्णन कीजिए। 20

2. भारत में समाजशास्त्र की वृद्धि वृत्ति (profession) के रूप में कैसे हुई? 20

3. भारत में औपनिवेशिक शासकों ने जाति व्यवस्था को कैसे देखा हैं? जाति पर इनके प्रभाव की चर्चा कीजिए। 20

4. क्या शुद्धता और अशुद्धता की विचारधारा, जाति का मूल महत्व है या क्या इसे नजरअंदाज किया जा सकता है? 20

5. क्या भारत में परिवार की संकल्पना बदल रही है? समकालीन भारत में इसकी प्रकृति और संरचना की चर्चा कीजिए। 20

भाग II

6. भारत में जनजातियों के संबंध में वेरियर एल्विन और जी.एस.घुरे के विचारों की चर्चा कीजिए। 20

7. क्या भारत में धर्म, राजनीति को या राजनीति धर्म को प्रभावित करती है? आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

8. नगरीकरण क्या है? जन जीवन–शैली और संस्कृति को, यह कैसे बदल रहा है? 20

9. वैश्वीकरण की परिभाषा दीजिए और भारत में समाज पर इसके प्रभाव की चर्चा कीजिए। 20

10. सामाजिक आँदोलन क्या है? इसके विविध प्रकारों की चर्चा उदाहरण देते हुए कीजिए। 20